No. of Printed Pages : 4 **IBO-04**

09887

POST GRADUATE DIPLOMA IN INTERNATIONAL BUSINESS OPERATIONS/ MASTER OF COMMERCE

Term-End Examination

June, 2012

IBO-04 : EXPORT - IMPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

***Note :** Answer both **parts A and B**.*

PART - A

1. Comment on ***any four*** of the following statements : **4x5=20**

   (a) EDI is not a technology, it is a solution to a business need.

   (b) Export Import Bank of India does not compete with the commercial banks.

   (c) Clearing and forwarding agents play an important role in export-import business operations.

   (d) Foreign Trade Policy of India encourages the industry to enhance its competitiveness in global markets.

   (e) Documentation in export business is complex but not difficult.

   (f) Letter of credit is the safest method of realising export proceeds.

PART - B

Answer *any four* questions.

2. Enumerate the various factors which motivate a firm to export. Illustrate your answer with suitable examples. **20**

3. What is the rationale of export trade control ? What are the different types of control exercised on exports ? Discuss the procedure for obtaining an export license. **5+10+5**

4. What are the various payment terms used in export trade ? Arrange them in order of safety and explain how documentary credit system is better than documentary collection ? **5+15**

5. Explain the characteristic features of INCO terms. **20**

6. Describe in detail the procedures and related documentation involved in custom clearance of export cargo. **20**

7. Write short notes on *any two* of the following : **10+10**
   (a) Uniform custom and Practices relating to Documentary Credit
   (b) Airway Bill
   (c) Export Promotion Councils
   (d) Self Certification scheme for pre-shipment inspection

आई.बी.ओ.-04

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

आई.बी.ओ-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड-अ तथा **खण्ड-ब** दोनों कीजिए।*

खण्ड-अ 4x5=20

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** कथनों की समालोचना कीजिए।
   (a) इलेक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज (EDI) एक प्रौद्योगिकी नहीं है, यह व्यवसाय की आवश्यक्ताओं का एक समाधान है।
   (b) EXIM बैंक व्यापारिक बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करता।
   (c) निकासी व अग्रेषण एजेंट निर्यात-आयात व्यापार संक्रियाओं में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
   (d) भारत की विदेश व्यापार नीति उद्योगों को वैश्विक बाजारों में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक्ता में वृद्धि के लिए प्रोत्साहित करती है।
   (e) विदेश व्यापार संबंधी प्रलेखीकरण जटिल है लेकिन कठिन नहीं।
   (f) निर्यात राशि की वसूली के लिए साख पत्र (Letter of credit) सर्वाधिक सुरक्षित विधि है।

खण्ड-ब

निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

2. उन विभिन्न कारकों का उल्लेख कीजिए जो किसी फर्म को निर्यात करने के लिए प्रोत्साहित करते है। अपने उत्तर के समर्थन में उचित उदाहरण भी दीजिए। 20

3. निर्यात व्यापार नियंत्रण का क्या औचित्य है? निर्यात पर नियंत्रण के विभिन्न प्रकार क्या है? एक निर्यात लाइसेंस प्राप्त करने की प्रविधि का वर्णन कीजिए। 5+10+5

4. निर्यात लेनदेनों में भुगतान की विभिन्न शर्तें क्या हैं? उन्हें सुरक्षा के क्रम में दिखाइए तथा यह व्याख्या कीजिए कि प्रलेखीय साख प्रणाली प्रलेखीय वसूली से किस प्रकार बेहतर है? 5+15

5. अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध शब्दावली (INCO terms) के मुख्य अभिलक्षणों की व्याख्या कीजिए। 20

6. निर्यात माल की सीमा-शुल्क निकासी की कार्यविधि तथा संबद्ध प्रलेखीकरण का विस्तृत वर्णन कीजिए। 20

7. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 10+10

   (a) प्रलेखीय साख संबंधी एक समान प्रथायें तथा कार्यविधियां

   (b) हवाई मार्ग बिल्टी (Airway Bill)

   (c) निर्यात संवर्धन परिषदें

   (d) पोत लदान पूर्व निरीक्षण की स्व-प्रमाणीकरण पद्धत्ति